महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

● वर्ष- 16 अंक 29-● जबलपुर ● मंगलवार, 1 मार्च, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-14 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

सावधान...भारत में होगी असहनीय गर्मी

हिमालय पिघलेगा, फसलें सूखेंगी, शहर बाढ़ में डूबेंगे

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के कारण देश के तटीय शहर और हिमालय से लगे इलाकों पर बड़ा असर पड़ेगा। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज रिपोर्ट के अनुसार, अगर जलवायु परिवर्तन पर अब ऐक्शन लेने में देरी हुई तो पूरी दुनिया के लिए परिणाम काफी घातक होंगे। मौसम बदलने के कारण ज्यादा या कम बारिश, बाढ़ की विभीषिका और लू के थेपेड़े बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट में बढ़ते तापमान के कारण भारत में कृषि उत्पादन में बड़े पैमाने पर कमी की भी आशंका जताई गई है। जलवायु खतरे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के इंटरगवर्न्मेंटल पैनल ऑन क्लाईमेट चेंज की ताजा रिपोर्ट में चेताया गया है कि यदि कार्बन उत्सर्जन में कटौती नहीं हुई तो निकट भविष्य में गर्मी और उमस इंसान की सहनशीलता की सीमा को पार कर जाएगी। यह खतरा भारत समेत कई देशों पर है। रिपोर्ट सोमवार को जारी हुई। रिपोर्ट के चैप्टर 10 और पेज 57 पर कहा गया है कि भारत उन स्थानों में से एक है जो इन असहनीय परिस्थितियों का अनुभव करेगा।रिपोर्ट में वेट बल्ब तापमान का जिक्र किया गया है जिसमें तापमान की गणना करते समय गर्मी और उमस को जोड़ा जाता है। एक इंसान के लिए 31 डिग्री सेल्सियस का वेट-बल्ब तापमान बेहद खतरनाक है। 35 डिग्री सेल्सियस में तो छांव में आराम कर रहे स्वस्थ वयस्क के लिए भी लगभग 6 घंटे से अधिक समय तक जीवित रहना मुश्किल हो जाएगा।

कुदरत की यह हेल्थ रिपोर्ट डरा रही

रिकॉर्ड तोड़ेगी गर्मी

रिपोर्ट के चैप्टर 10 और पेज 43 पर बताया गया है कि फिलहाल भारत में वेट बल्ब का तापमान शायद ही कभी 31ए डिग्री से अधिक होता है। अभी यह अधिकतम 25-30ए डिग्री रहता है। लेकिन उत्सर्जन में वर्तमान में किए वादों के मुताबिक कटौती की जाती है तब भी देश के उत्तरी एवं तटीय हिस्सों में यह 31 डिग्री तक पहुंच सकता है।रिपोर्ट के अनुसार, अगर उत्सर्जन में ऐसी ही वृद्धि जारी रही, तो भारत के अधिकांश हिस्सों में वेट बल्ब तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाएगा।

लखनऊ और पटना में सबसे अधिक असर

हैरान करने वाली बात यह है कि रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर उत्सर्जन में वृद्धि जारी रही तो लखनऊ और पटना 35 डिग्री सेल्सियस के वेट बल्ब तापमान तक पहुंच जाएंगे। इसके बाद भुवनेश्वर, चेन्नई, मुंबई, इंदौर और अहमदाबाद में वेट बल्ब तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। असम, मेघालय, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

समुद्र स्तर में वृद्धि से कृषि और बुनियादी ढांचे को खतरा

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सरकारें अपने मौजूदा उत्सर्जन-कटौती के वादों को पूरा करती हैं तो इस सदी में वैश्विक स्तर पर समुद्र का स्तर 44-76 सेंटीमीटर तक बढ़ जाएगा। लेकिन तेजी से उत्सर्जन में कटौती के साथ, वृद्धि 28-55 सेमी तक सीमित की जा सकती है। जैसे-जैसे समुद्र स्तर बढ़ता है, खारे पानी की घुसपैठ के कारण अधिक भूमि जलमग्न हो जाएगी, नियमित रूप से बाढ़ आ जाएगी, और जमीन कृषि के लिए अनुपयुक्त हो जाएगी। भारत के लिए समुद्र स्तर में वृद्धि और नदी की बाढ़ की आर्थिक लागत भी दुनिया में सबसे ज्यादा होगी।

मार्च के पहले दिन महंगाई की मार

दूध के बाद एलपीजी गैस सिलेंडर भी महंगा

नई दिल्ली। मार्च का पहला दिन ग्राहकों के लिए महंगाई लेकर आया है। दूध के बाद एलपीजी गैस सिलेंडर भी महंगा हो गया है। 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 105 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में इसकी कीमत 2,012 रुपये हो गई है। साथ ही पांच किलो के सिलेंडर में भी 27 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में इसकी कीमत अब 569 रुपये हो गई है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करती है। एक फरवरी को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 91.50 रुपये की कटौती की गई थी। आज की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में इसकी कीमत अब 1907 रुपये से बढ़कर 2012 रुपये

विधानसभा चुनाव के बाद बढ़ सकती हैं कीमतें

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। छह अक्टूबर 2021 के बाद से घरेलू एलपीजी सिलेंडर न तो सस्ता हुआ है और न ही महंगा। हालांकि इस दौरान कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। माना जा रहा है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के बाद घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भारी तेजी आ सकती है।

रेलवे ने यात्रियों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। देश में कोरोना को लेकर हालात सुधरने के बाद भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में फिर से ह्वइह्वद्मह्यद्वह्व1द्वस्र कोच (गैर आरक्षित कोच) शुरू करने का फैसला किया है. गौरतलब है कि अब तक कोविड के कारण सामान्य डिब्बों (जनरल कोच) के लिए भी रिजर्वेशन कराना होता था. जो ट्रेनें एक जोन से दूसरे फोन की तरफ जाती थीं, वे सारी ट्रेनें रिजर्वेशन ओनली ट्रेन्स के तर्ज पर चल रही थीं. बहरहाल, कोविड के नए मामलों की संख्या में आई कमी के बाद अब यात्री सामान्य टिकट लेकर सामान्य डब्बे में सफर कर सकेंगे, लेकिन यह सुविधा आगे 4 महीने के लिए बुक हो चुकी सीटों के लिए नहीं होगी।

उक्रेन में फंसे छात्रों को बाहर निकालेगी भारतीय वायुसेना

मोदी सरकार का फैसला

नई दिल्ली। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने अब भारतीय वायुसेना को भी मिशन चांगाज में शामिल होने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, वायुसेना जल्दी से फंसे इलाकों से छात्रों को निकाल सकती है। गौरतलब है कि भारत ने सोमवार को चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला किया था ताकि छात्रों की मदद की जा सके और उन्हें यूक्रेन से निकाला जा सके। सूत्रों ने बताया कि वायु सेना के हवाई जहाजों के जुड़ने से भारतीयों के लौटने की प्रक्रिया गति पकड़ेगी, और उनकी संख्या में भी वृद्धि होगी। साथ ही साथ, भारत से भेजी जा रही राहत सामग्री भी और तेजी से पहुंचेगी। भारतीय वायु सेना के कई C-17 विमान आज ऑपरेशन गंगा के तहत उड़ान शुरू कर सकते हैं।

यूक्रेन में भारतीय नागरिकों तुरंत कीव छोड़ने के निर्देश

भारतीय दूतावास ने कीव में रह रहे भारतीय नागरिकों को तुरंत शहर छोड़ने की सलाह दी है। दूतावास ने कहा नागरिक ट्रेन, बस जैसे भी हो वहां से तुरंत निकले। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला शुरू कर दिया है और उसके कई शहरों में भारी बमबारी की है।

बुखारेस्ट से 182 भारतीयों को लेकर सातवीं उड़ान पहुंची मुंबई

मुंबई। यूक्रेन में फंसे 182 भारतीय नागरिकों को लेकर सातवीं ऑपरेशन गंगा फ्लाइट भी बुखारेस्ट (रोमानिया) से मुंबई पहुंच गई है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मुंबई हवाई अड्डे पर भारतीय छात्रों की अगवानी की। वहीं एक भारतीय छात्र ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन गंगा की आठवीं उड़ान भी बुडापेस्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गई है। छात्र ने कहा कि यह एक सहज प्रक्रिया थी। हम यूक्रेन से हंगरी निकालने के लिए भारतीय दूतावास और सरकार को धन्यवाद देना चाहते हैं। वे हमें सकुशल घर वापस लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा कि हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक हमारे भारतीय नागरिक सुरक्षित नहीं हो जाते हैं।

यूक्रेन के सैन्य बेस पर रूस ने किया बड़ा हमला

70 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिकों की मौत

मॉस्को, कीव। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अब 6वें दिन में प्रवेश कर चुका है और रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव पर लगातार बमबारी कर रही है तो वहीं खारकीव में भी जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति राजधानी कीव को छोड़कर भाग चुके हैं। यह दावा रूसी मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है। साथ ही राजधानी कीव की घेराबंदी तेज हो गई है। राजधानी कीव को रूस के सैनिकों, बख्तरबंद गाड़ियों और तोपों से घेरा जा चुका है। इस बीच रूस ने परमाणु ट्रायड की तैयारी भी शुरू कर दी है। खबरों के मुताबिक, यूक्रेन की राजधानी कीव की ओर 84 किलोमीटर लंबा रूसी सैन्य काफिला बढ़ रहा है। इसकी सेटेलाइट तस्वीरें भी जारी हुई हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में इमरजेंसी डिबेट के पक्ष में 29 वोट पड़े हैं। भारत समेत 13 देशों ने इस वोटिंग में भाग नहीं लिया। खबरों के मुताबिक, यूक्रेन के ओख्तिरका शहर में रूसी सेना की ओर से जोरदार हमला किया गया है। इस हमले में यूक्रेन के सैन्य बेस को निशाना बनाया गया है,

5 दिनों में यूक्रेन में भारी तबाही

जिसमें 70 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिकों की मौत की खबर है। रूस-यूक्रेन के बीच पिछले पांच दिनों से जंग छिड़ी हुई है। रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का कहना है कि, पिछले पांच दिनों में रूस ने यूक्रेन में 56 रॉकेट और 113 क्रूज मिसाइलें दागी हैं।

यूक्रेन का दावा,मार गिराए दो रूसी विमान

इस समय रूस भी यूक्रेन में जमकर हमले कर रहा है। वहीं यूक्रेन की सेना जवाब दे रही है। यूक्रेन ने रूस के दो विमान मार गिराए हैं। इसमें सुखोई 35 और सुखोई 30 शामिल हैं। रूस की कई समाचार वेबसाइट सोमवार को हैक हो गई। इन वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर एक संदेश आने लगा, जिसमें यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा की गई थी। माना जा रहा है कि हमले के पांचवें दिन पुतिन की सेना ने अपनी बर्बर कार्रवाई में क्लस्टर और वैक्यूम बम का इस्तेमाल किया। खबरों के मुताबिक, यूक्रेन के ओख्तिरका शहर में रूसी सेना की ओर से जोरदार हमला किया गया है। इस हमले में यूक्रेन के सैन्य बेस को तबाह कर दिया है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। यूक्रेन संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की है। सूत्रों के मुताबिक, इस मुलाकात का उद्देश्य राष्ट्रपति को यूक्रेन संकट से संबंधित सभी मुद्दों की जानकारी देना था।

महंगे गिफ्ट पर लगेगा टैक्स

कंपनी के ऊपर 10 फीसदी टैक्स काटेगी सरकार

नई दिल्ली। जिस कंपनी में व्यक्ति काम कर रहा है, अगर वहां पर उसे मोटे गिफ्ट मिलते हैं या फिर उस पर सैलरी से अलग कोई खर्च किया जा रहा होगा तो अब वो भी टैक्स के दायरे में आ जाएगा। सरकार ने बजट में प्रावधान किया है कि इस साल से कंपनी के ऊपर 10 फीसदी टैक्स काटने का नियम बनाया गया है। वित्तवर्ष 2022-23 के बजट में आयकर कानून में नया प्रावधान 194 आर जोड़ा गया है। इसके तहत जो कंपनियां बिजनेस प्रमोशन के तहत एजेंट, स्टॉकिस्ट, होलसेलर या बाकी सप्लाई चेन से जुड़े लोगों को गिफ्ट देती है या फिर काम के एवज में विदेश दौरे का तोहफा देती है तो उसे खर्च हुई कुल रकम से 10 फीसदी टीडीएस काटकर आयकर विभाग के पास जमा कराना होगा। ये टैक्स तभी जमा कराना होगा जब गिफ्ट या फिर किए गए खर्च की रकम 20 हजार या उससे ऊपर है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे खर्च पर ये टीडीएस की रकम तकरीबन हर उस कंपनी को आयकर विभाग के पास जमा कराना होगी जो ऑडिट के दायरे में आते हैं।टैक्स मामलों के जानकार देवेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि इसके तहत कंपनियों में डायरेक्टर्स पर किए जाने वाले खर्च भी शामिल हो सकते हैं। कंपनियों की तरफ से डायरेक्टर को दिए जाने वाले गेस्टहाउस या फिर दूसरी सुविधाओं पर हुआ खर्च पर भी अब कंपनियों को टीडीएस काटकर जमा कराना होगा।

रूस का साथ देना वाला चीन भी बोला- यूक्रेन की हालत बेहद चिंतानक

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन करने वाला चीन भी अब कह रहा है कि इस समय यूक्रेन की हालत दिल बैठा देने वाली है। उसने यूएन से कहा है कि यह मानवीय आपदा रोकने के प्रयास किए जाएं। यूएन में चीन के स्थायी सदस्य ने यह बात कही है। बता दें कि इस मामले में चीन तटस्थ बना हुआ है और पीछे से रूस को समर्थन भी दे रहा है। पश्चिमी देशों ने इस रवैये की आलोचना की है। चीन ने इन हमलों को कभी गलत नहीं बताया है। चीन ने कहा, यूक्रेन में जो कुछ भी हो रहा है, दिल बैठा देने वाला है। चीन चाहता है कि दोनों पक्ष मिलकर बात करें और इसका हल निकालें। आम लोगों की मौतें हो रही हैं और इसे रोकना जरूरी है। ह में चीन के स्थायी सदस्य झांग ने कहा, आम लोगों का जीवन और उनकी संपत्ति बहुमूल्य है। इसके अलावा यूक्रेन में दूसरे देशों के जो लोग रह रहे हैं, उन्हें भी नुकसान हो रहा है।

अब नवाब मलिक के बेटे पर भी शिकंजा

मुंबई । दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग केस में नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद अब उनके बेटे की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, ईडी ने उनके बेटे फराज मलिक को समन भेजकर तलब किया है। बताया जा रहा है कि फराज को ईडी की तरफ से समन कल ही भेजा गया था लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। बता दें कि इससे पहले ईडी ने एनसीपी नेता नवाब मलिक को भी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण मलिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अब उन्हें छुट्टी मिल गई है और वे फिर से ईडी की हिरासत में हैं।महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपने खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मलिक ने अपनी याचिका में कहा है कि उनकी गिरफ्तारी अवैध है और उन्होंने तुरंत रिहा करने की मांग की है।बीते बुधवार को एनसीपी नेता को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन पर दाऊद इब्राहिम के करीबी से संपत्ति खरीदने का आरोप है। इसके अलावा मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में भी ईडी जांच कर रही है। ईडी की टीम ने बुधवार सुबह करीब सात बजे उनके घर पर छापेमारी की थी। इसके बाद ईडी उन्हें अपने साथ ले आई थी। करीब छह घंटे पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मलिक की गिरफ्तारी के बाद पूरी कहानी का पर्दाफाश किया था। ईडी ने कोर्ट में बताया था कि, मंत्री नवाब मलिक ने कथित रूप से मुनिरा प्लंबर से 300 करोड़ रुपये का प्लाट कुछ लाख रुपये में एक कंपनी के जरिये हड़पा था।

अंडरवर्ल्ड कनेक्शन मामले में ईडी ने भेजा समन, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

20 पुतिन के पास है 4 हजार परमाणु बमों का जखीरा

मिनट में ब्रिटेन को कर सकते हैं तबाह

लंदन/मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के परमाणु बमों को युद्धक ड्यूटी में लगाने के फैसले से दुनिया में दहशत का माहौल है। शीतयुद्ध शुरू होने के बाद दुनिया ने यह मान लिया था कि एक-दूसरे को तबाह करने के खतरे के कारण विश्वभर में परमाणु युद्ध नहीं होगा। इस बीच यूक्रेन में जारी भीषण हमले के दौरान रूसी राष्ट्रपति के परमाणु बमों को अलर्ट करने के ऐलान को दुनिया में बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। वह भी तब जब रूस के पास दुनिया में सबसे ज्यादा 4,477 परमाणु बम हैं।यूक्रेन में रूस के हमले का वहां की सेना करारा जवाब दे रही है और यही नहीं पश्चिमी देश इसके खिलाफ लगातार एकजुट हो रहे हैं। पुतिन ने जब हमले का ऐलान किया तो उस समय पश्चिमी देशों को चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देशों ने सैन्य रूप से हस्तक्षेप किया तो उन्हें इतिहास में सबसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या पुतिन की धमकी दुनिया में सच होने जा रही है। ऐसा तब है जब रूस के पास हर परिस्थिति से निपटने के लिए हथियार मौजूद हैं। जमीन, सबमरीन और प्लेन के जरिए दागे जा सकते हैं एटम बम- रूस के पास इस समय 4,477 परमाणु हथियार हैं। अमेरिका के फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रूस के पास मौजूद कुल 4,477 परमाणु बमों में 2,565 स्ट्रेटजिक और 1,912 नॉन स्ट्रेजिक हैं। इसमें कहा गया है कि रूस अपने परमाणु बल और उसके आधारभूत ढांचे में तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। इन परमाणु बमों को जमीन, सबमरीन और प्लेन के जरिए दुश्मन के ठिकाने पर गिराया जा सकता है। इसके अलावा रूस के पास कई ऐसे नॉन स्ट्रेटजिक परमाणु बम हैं जो युद्ध में तुरंत तैनात किए जा सकते हैं और वे बहुत कम ही इलाके में तबाही मचाते हैं। इनसे रेडियो एक्टिव विकिरण भी कम होता है। ये परमाणु बम नागरिक ठिकानों को बर्बाद करने की बजाय सैन्य क्षमता को तबाह करते हैं। ये लैंडमाइन से लेकर टारपीडो तक हो सकते हैं।